



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 170]
No. 170]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 5, 2007/चैत्र 15, 1929
NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 5, 2007/CHAITRA 15, 1929

कम्पनी कार्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 2007

सा.का.नि. 272(अ)।—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 294कक की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और यह राय होने पर कि नीचे सारणी में विनिर्दिष्ट प्रवर्वा के माल के संबंध में मांग ऐसे माल के उत्पादन या पूर्ति में सारावान रूप से अधिक है और यह ऐसे माल के लिए बाजार तैयार करने के लिए एकमात्र विक्रय अधिकता की सेवाएं आवश्यक नहीं होंगी, यह घोषणा करती है कि राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तरीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए भारत में ऐसे माल के विक्रय के लिए किसी कम्पनी द्वारा एकमात्र विक्रय अधिकता की नियुक्ति नहीं की जाएगी।

सारणी

औषधि (कीमत नियंत्रण) आदेश, 1995 में यथा परिभाषित “प्रपुंज औषधि”, “औषधि” और “विनिर्मिताओं” का प्रत्येक प्रवर्ग, जो निम्नलिखित नहीं है :-

(i) आयुर्वेदिक (जिसके अंतर्गत सिद्धा भी है) या यूनानी (तिब्ब) चिकित्सा पद्धति में सम्मिलित कोई वास्तविक निर्मिति; या

(ii) होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति में सम्मिलित कोई निर्मिति।

[फा. सं. 5/2/2007-सीएल-V]

जितेश खोसला, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMPANY AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th April, 2007

G.S.R. 272(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 294AA of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government, being of the opinion that the demand for the category of goods specified in the Table below is substantially in excess of the production or supply of such goods and that the services of the sole selling agents will not be necessary to create a market for such goods, hereby declares that sole selling agents shall not be appointed by any company for the sale of such goods in India for a period of three years from the date of publication of this notification in Official Gazette.

TABLE

Every category of “Bulk drugs”, “drugs” and “formulations” as defined in the Drugs (Prices Control) Order, 1995, not being:-

- (i) any bona fide preparation included in the Ayurvedic (including Siddha) or Unani (Tibb) systems of medicine; or
- (ii) any preparation included in the Homoeopathic system of medicine.

[F. No. 5/2/2007-CL-V]

JITESH KHOSLA, Jt. Secy.